उसने हमें पवित्रशास्त्र दिया: व्याख्या की नींव

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय पाँच:

अर्थ की जटिलता

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES
Biblical Education. For the World. For Free.

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट में जायें - थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ ऐट थर्ड मिलेनियम

विषय-वस्तु सूची

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें 3

नोट्स 4

I. **परिचय** (0:20) 4

II. **शाब्दिक भाव** (1:52) 4

क. विविध अर्थ (4:56) 4

ख. एकमात्र अर्थ (17:41) 5

III. **पूरा मूल्य** (26:15) 6

क. मौलिक अर्थ (28:15) 6

ख. बाइबल निहित विस्तारण (33:30) 6

ग. युक्ति संगत उपयोग (43:55) 7

IV. **सारांश** (52:47) 7

पुनर्विचार हेतु प्रश्न 8

लागू करने हेतु प्रश्न 12

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

नोट्स

I. परिचय (0:20)

II. शाब्दिक भाव (1:52)

शाब्दिक भाव पवित्रशास्त्र के वाक्यों और शब्दों को लेखक के अभिप्रायों और उनके मूल श्रोताओं के ऐतिहासिक संदर्भ के अनुसार लेते हैं।

क. विविध अर्थ (4:56)

कुछ व्याख्याकारों ने यह कहा है कि शाब्दिक भाव पवित्रशास्त्र के कई अर्थों में से मात्र एक अर्थ है।

रूपकात्मक पद्धति : पवित्रशास्त्र में वर्णित ऐतिहासिक लोगों, स्थानों, चीजों और घटनाओं की व्याख्या इस तरीके से करती है, जैसे कि मानो वे आत्मिक सच्चाइयों के चिन्ह या प्रतीक थे।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

क्राड्रिगा व्याख्या किए जाने की एक ऐसी तकनीक है जो यह संकेत करती है कि पवित्रशास्त्र चार विभिन्न अर्थों से सुसज्जित था।

ख. एकमात्र अर्थ (17:41)

अन्य व्याख्याकारों ने यह बहस की है कि शाब्दिक भाव बाइबल का एकमात्र अर्थ है।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

III. पूरा मूल्य (26:15)

एक मूलपाठ का पूर्ण महत्व, उसके मूल अर्थ से मिलकर बना हुआ होता है, जिसमें उसके सारे बाइबल निहित विस्तारण, और उसके सारे युक्तिसंगत उपयोग सम्मिलित होते हैं।

क. मौलिक अर्थ (28:15)

वे अवधारणाएँ, व्यवहार और भावनाएँ जिन्हें दिव्य और मानव लेखकों ने संयुक्त रूप से अपने पहले श्रोताओं को सम्प्रेषित करने के लिए दिए गए दस्तावेज़ में इच्छित किया।

ख. बाइबल निहित विस्तारण (33:30)

ऐसे स्थान होते हैं जहाँ पर पवित्रशास्त्र का एक अंश या तो परोक्ष में या फिर अपरोक्ष में पवित्रशास्त्र के किसी अन्य अंश के अर्थ के पहलू के ऊपर टिप्पणी करते हैं।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

ग. युक्ति संगत उपयोग (43:55)

एक प्रसंग के मूल अर्थ और बाइबल निहित विस्तारण का उनके श्रोताओं के ऊपर पड़ने वाले वैचारिक, व्यावहारिक और भावनात्मक प्रभाव है।

IV. सारांश (52:47)

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. इसका क्या अर्थ होता है जब हम किसी एक सन्दर्भ के "शाब्दिक भाव" की ओर संकेत करते हैं?

2. पवित्रशास्त्र के कई अर्थों के होने के तर्क वितर्क से किस तरह की समस्याएँ उठ खड़ी होती हैं?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

3. वर्णन करें कि कैसे थॉमस एक्विनास और अन्य व्याख्याकारों ने पवित्रशास्त्र के एक ही अर्थ के लिए तर्क दिया है ?

4. कौन से गुण एक संदर्भ के "पूरे मूल्य" की खोज करने में हमारी सहायता करते हैं?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

5. एक मूलपाठ के "मौलिक अर्थ" से हमारा क्या अर्थ है?

6. पवित्रशास्त्र में अक्सर उपयोग होने वाले तीन तरह की बाइबल आधारित व्याख्याओं की सूची बनाएँ और वर्णन करें ?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

7. किस तरह से पवित्रशास्त्र के पूरे भाव की खोज करने में युक्तिसंगत उपयोग हमारी सहायता करते हैं?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

लागू करने हेतु प्रश्न

1. किस तरह से पवित्रशास्त्र के शाब्दिक भाव की जानकारी आपको बाइबल की व्याख्या करने में व्यक्तिगत् रूप से सहायता प्रदान करती है?

2. पवित्रशास्त्र के कई अर्थों का होना देखना कैसे बाइबल के आपके पठन् और व्याख्या को प्रभावित करता है?

3. क्या आप सोचते हैं कि बाइबल की व्याख्या की रूपकात्मक शैली का कोई मूल्य है? क्यों?

4. आप बाइबल की कौन सी ज्यादा शाब्दिक या रूपकात्मक व्याख्या करना चाहेंगे? आपने उत्तर की वर्णन करें?

5. किस तरह से आप पवित्रशास्त्र की व्याख्या करते हैं और आपके प्रभाव के क्षेत्र में आने वालों के ऊपर बिना किसी गलत उपयोग को लागू करते हुए इसे प्रासंगिक बनाते हैं?

6. आप कैसे उन आलोचकों को प्रतिउत्तर देंगे जो यह तर्क करते हैं कि अपने आप में भाषा की निहित अस्पष्टता के परिणामस्वरूप बाइबल के कई अर्थ निकल कर आते हैं।

7. किस तरह से शाब्दिक भाव की पद्धति के उपयोग ने आपके उस तरीके को प्रभावित किया है जिसमें आप ने पवित्रशास्त्र को अपनी वर्तमान की परिस्थितियों में लागू किया था ?

8. मूल अर्थ के प्रति पवित्रशास्त्र के बहुमुखी दृष्टिकोण के पठन् ने किस तरह से बाइबल आधारित आपकी व्याख्या को प्रभावित किया है?

9. आपकी समकालीन सेवकाई में पवित्रशास्त्र के पूरे मूल्य की खोज की महत्वपूर्णता के ऊपर आप कैसे जोर दे सकते हैं?

10. बाइबल के उपयोग और आपके द्वारा इसी व्याख्या के प्रति विश्वासयोग्य रहने के लिए कौन से मानक आपकी सहायता करते हैं?

11. किस तरह से बाइबल का विस्तारण बाइबल के प्रति आपकी समझ और इसकी व्याख्या में सहायक का काम करता है ?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

12. इस अध्याय से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा